परियोजना का नामः—जनपद देहरादून, उत्तराखण्ड, जौलीग्रान्ट हवाई अडड़े के विस्तारीकरण किये जाने हेतु वन भुमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रतिवेदन

(परियोजना के सम्बन्ध में संक्षिप्त विवरण)

उत्तराखण्ड राज्य में पर्वतीय भौगोलिक स्थिति के कारण अवागमन हेतु सड़क मार्ग पर ही जनता को निर्भर करना पड़ता है। आपदा के समय बचाव कार्य हेतु एवम चारधाम यात्रा तथा पर्यटन को बड़ावा देने के लिए राज्य में हवाई मार्ग अतिआवश्यक है इस उद्देश्य के दृष्टिगत राज्य में नये हेलीपैडो का निर्माण, मौजूदा हेलीपैडो एवं हवाईपट्टी का सुदृढीकरण का कार्य किया जा रहा है। एडीबी के वित्तिय सहयोग से साठ नये एवम पूर्व निर्मित हेलीपैड का सुधारीकरण एवं सुदृढीकरण किया जा रहा है। पर्यटन को बड़ावा देने हेतु हिमालय दर्शन की योजना प्राइवेट हेलीकॉप्टर आपरेटर के सहयोग से 08 फरवरी 2015 को प्रारम्भ की गई।

उक्त प्रयोजन हेतु जनपद देहरादून में देश–विदेश से आने वाले पर्यटकों एवं स्थानीय जनता के सुगम आवागमन हेतु जौलीग्रान्ट हवाई अड्डा का निर्माण कराया गया है। वर्तमान में जौलीग्रान्ट हवाई अड्डे का अन्तरर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विस्तारीकरण किया जाना प्रस्तावित है, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान होंगे एवं पर्यटन को बढावा मिलेगा। इस परियोजना से राज्य का आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सुदृढीकरण होगा एवं राज्य के पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों का दबाव भी कम होगा, जिससे प्रशासन को भी राहत प्रदान होगी।

अतः उपरोक्त प्रयोजन हेतु **5 प्रतियों में प्रस्ताव गठित** कर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

ह0/
प्रयोक्ता एजेंसी
अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी
उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण

नरेश चमोली
वन संरक्षण विशेषज्ञ
पी0एम0यू0, देहरादून

(K.SANTOSH KUMAR)
SAME
STATE CIVIL AVIATION
UTTARAKHAND

प्रभागीय वनाधिकारी
देहरादून वन प्रभाग,
देहरादून